चालीसा का चौथा रविवार

Caritas INDIA
The Joy of Service...

"खीस्तीयों से आह्वान किया जाता है कि वे उन प्रलोभनों से बचें जो मानवीय जीवन और उनके आजीविका को अमानवीय बनाता है।"

चौथे रविवार के लिए विशेष विषयवस्तु

22 मार्च 2020

पहला पाठः समुएल का ग्रन्थ 16 :1,6–7,10–13
दूसरा पाठः एफेसियों के नाम पत्र 5 :8–14
सुसमाचार : योहन 9 :1–41

पवित्र खीस्तत्याग की पृष्ठभूमि

प्रिय भाईयों एवं बहनो आज चालीसा के चौथे रविवार के पाठ के माध्यम से हम सुनते हैं कि कैसे ईश्वर ने एक साधारण व्यक्ति को इज़राइल का राजा चुना । यह सर्वशक्तिमान के काम को प्रदर्शित करता है कि वह सबसे गरीब और छोटे हैसियत वाले को मनुष्यों के सर्वोच्च पद पर गौरवन्वित करता है।

आज के सुसमाचार में येसु द्वारा अंधे आदमी को चंगाई देने का उल्लेख है। येसु का यह चमत्कार अन्य चमत्कारों से हमेशा अलग रहा है जहाँ चंगाई प्राप्त करने वाला व्यक्ति चंगाई के लिए पूछता है और प्राप्त चंगाई येसु में उसके विश्वास का प्रतिफल को दर्शाता है। इस सुसमाचार के माध्यम से येसु ने घोषणा की कि वह दुनिया की ज्योति हैं। यदि येसु उपस्थित हैं तो वहाँ ज्योति की प्रवाह है। यह हमे इस रविवार के विशेष विषय पर लाता है – **"खीस्तीय बुलाहट सतत जीवन और आजीविका के विकल्पों के लिए दुनिया की ज्योति बनना है।"** इस दुनिया पर प्रत्येक खीस्तीय के पास एक सामान्य खीस्तीय बुलाहट है। यह दुनिया में एक ज्योति बनने का आह्वान है। इस दूनिया में हमारे भाईयों एवं बहनो को अंधकार और अज्ञानता ने स्थायी आजीविका से वंचित कर अपने अधीन कर रखा है। इसलिए आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन को बेतहर बनाने के लिए हम सब ज्योति बनने के लिए बुलाए गए हैं। क्या हम इस चालीसा काल में तैयार हैं कि दुनिया की ज्योति बनकर दूसरों के जीवन को प्रकाशित कर सकें।

धर्मोपदेश

प्रभु येसु खीस्त में प्यारे भाईयों एवं बहनों,

जागरुकता ज्योति की भांति है एक आंतरिक प्रकाश तब आता है जब हम प्रकाश की अनुपस्थिति का एहसास करते हैं यही कारण है कि हम कहते हैं मैं देखता हूँ। लेकिन यह देखना एक अंर्तदृष्टि है न कि केवल बाह्य दृष्टि। और इसी अर्तदृष्टि के साथ जागरुकता का जवाब देने के लिए उर्जा आती है और तब हम अंधेरे को खत्म करने के लिए सक्रिय हो जाते हैं।

आज का पवित्र वचन हमें यह जानने के लिए आमंत्रित करता है कि ईश्वर लोगों के जीवन में हस्तक्षेप करता है और उन्हें परिवर्तन का माध्यम बनने के लिए सशक्त बनाता है। यह ईश्वर की योजना है और हम में से हर एक के लिए एक बुलावा है। एफेसियों के पत्र में संत पॉलुस लोगों को प्रकाश के बच्चों के रुप में रहने और यह पता लगाने के लिए कहा कि प्रभु को क्या पसन्द है। पहले पाठ में ईश्वर दाउद नाम के एक तुच्छ लड़के का चुनाव करते हैं। वह उसे इस्राएल पर शासन करने का अधिकार देते हैं। "दाउद ने समस्त इस्राएल पर राज्य किया जो उसके सभी के लिए उचित और न्यायसंगत था।" सुसमाचार में येसु एक अंधे व्यक्ति को देखने के लिए प्रेरित करते है। वह उसे दृष्टि प्रदान से शुरु करते है लेकिन कथन के अन्त तक हम पाते हैं कि इस आदमी में अंर्तदृष्टि भी आ जाती है। उसे आंतरिक प्रकाश से पता चलता है कि येसु कौन है? अभी न केवल वह देखता है अपितु समझता भी है। लेकिन वर्णन मे अन्य लोगों के साथ ऐसा नहीं है। उनके पास सिर्फ बाह्य दृष्टि है लेकिन कोई अंर्तदृष्टि नहीं है। वे देखते सब हैं लेकिन समझते नहीं हैं।

उनके पड़ोसी और परिवार देखते हैं कि चमत्कार हुआ है लेकिन वे स्वीकार करने से डरते हैं। वे कायर हैं इसलिए वे निरंकुशता और असमानता की शक्तियों और यथास्थिति को परेशान नहीं करना चाहते और वे कहते हैं कि वे नहीं जानते कि यह कैसे हुआ जिसके परिणामस्वरुप वे अज्ञानता और अंधकार में छोड़ दिये जाते हैं क्योंकि उनमें अर्तदृष्टि की कमी है। यह ऐसे है जैसे हम सच्चाई को जानने के लिए तैयार नहीं हैं और जानबूझकर अंर्तदृष्टि से दूर रहकर, उदासीनता की स्थिति में रहते है। ऐसी आचरण प्रतिशोध को आमंत्रित करती है।

उसके बाद फारीसी लोग भी है। डर आदमी के पड़ोसियों और परिवार के लिए अज्ञानता का कारण है। लेकिन येसु के विरोधी घृणा के कारण अज्ञानी बन जाते है और अपने दिमाग के दरवाजे को बन्द कर देते है और घमण्ड के कारण वे अपने को दिखाते हैं कि वे सब कुछ जानते हैं जो वास्तव में वे हैं नहीं। वे जानते थे कि विश्राम के दिन काम करना मना है और उन्होने इंगित किया कि येसु ने विश्राम के दिन क्या किया था, इसलिए उन्होने निष्कर्ष निकाला कि येसु ईश्वर की ओर से भेजे हुए नबी नहीं हैं क्योंकि वह विश्राम दिन को नहीं मानते है। वास्तव में वे येसु से छुटकारा पाने के बहाने ढूँढ़ रहे थे। वे घृणा और अंहकार से अंधे हो गए थे इसलिए वे अंर्तदृष्टि से वंचित थे कि येसु कौन है?

इसके विपरीत, अंधा पैदा हुआ आदमी येसु के लिए खुला और साहसी था लेकिन इस चमत्कार में एक अजीब बात है और वह यह है कि उस अंधे व्यक्ति ने कभी चंगाई के लिए निवेदन नहीं की। येसु के चंगाई के लगभग सभी चमत्कार एक विशेष स्वरुप का अनुसरण करते हैं : रोगी व्यक्ति चंगाई के लिए येसु से अनुरोध करते हैं और येसु उनसे पूछते हैं कि क्या वे उस पर विश्वास करते हैं और उनके हाँ पर येसु अपना चमत्कार का कार्य करते हैं। पर यहाँ ऐसा नहीं हुआ, येसु ने इस आदमी को बिना पूछे यह कहते हुए ठीक किया जिससे कि ईश्वर का कार्य दिखाई दे सकें। हम यह देखते हैं कि येसु दुनिया की ज्योति है इस प्रकार हमारे पास अंर्तदृष्टि है न कि केवल बाह्य दृष्टि। और जब यह चमत्कार सामान्य चमत्कार की तरह घटित नहीं होता है लेकिन अन्तिम परिणाम एक समान होता हैः अंधा आदमी येसु पर अपना विश्वास रखता है और चंगाई पाता है।

आप और मैं वृतान्त के आम लोगों की तरह है। कुछ चीजें ऐसी हैं जिनके प्रति हम अंधे हैं और हममें अंर्तदृष्टि की कमी है। कभी कभी डर के कारण यह विलक्षण अंधापन होता है। इस अंधेपन को हम बेरोजगारी, किसानों की अशान्ति, वित्तीय बहिष्कार, गरीबों के विस्थापन के बारे में अपनी राष्ट्रीय बहस में रोजमर्रा देखते हैं। ये कुछ चुनौतीपूर्ण मुद्दे हैं जिनके स्थायी समाधान नहीं हैं। विश्व स्तर पर गरीबी उन्मूलन, भुखमरी का खात्मा और सुखी स्वस्थ्य जीवन जैसे सतत विकास लक्ष्य को स्वीकार किया गया है – सरकार को यह काम करना चाहिए, स्पष्ट रुप से रेखांकित किया जाना चाहिए और फिर प्रभावी नीति–निमार्ण के माध्यम से लागू किया जाना चाहिए। बुनियादी सतत विकास लक्ष्य से सम्पर्क करने के लिए एक मजबूत ढाँचे का गठन, वास्तव में परिवतर्न लाने के लिए एक मात्र समाधान है। हम सक्रिय रुप से सरकार से योजनाओं को लागू करवाने से डरते हैं। कभी कभी हमारी अंर्तदृष्टि की कमी अज्ञानता, अनुचित जानकारी और आत्म केन्द्रिता के कारण होती है। कभी कभी हम घृणा और अहंकार से अंधे हो जाते हैं। लेकिन इस तरह से होने की जरुरत नहीं है। येसु दुनिया की ज्योति है और वह हमें उस व्यक्ति की तरह बनने के लिए निमंत्रण देते हैं जिसे वह आज के सुसमाचार में चंगा करते हैं। खुले और साहसी, स्वयं ज्योति में रहने की कोशिश करते हुए यह सुनिश्चित करते हैं कि हम अपने संसाधनो को जरुरतमंदों के साथ साझा करते हैं और फिर साहसपूवर्क दूसरों के लिए प्रकाश लाने कि निरन्तर प्रयास करते हैं।

चालीसा का समय हम सबों के लिए एक अनुग्रह से भरा क्षण बन जाए जिससे हमें येसु द्वारा बपतिस्मा के संस्कार के माध्यम से दिए गए अधिकार और जिम्मेदारी का एहसास हो, जैसे पहले पाठ में दाउद की राजसत्ता साझा करना, हमारे व्यक्तिगत जीवन में ईश्वर के अभिषेक का प्रतीक है जिसके माध्यम से हम दूसरों को जीवन दे सकते हैं। आइए हम येसु को सच्चा ज्योति घोषित करें और परिवर्तन लाने के लिए समाज के प्रति जिम्मदारी की मशाल को धारण करें। कलीसिया लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए विभिन्न मंचों से कई रुपों में पहल करता है। आध्यात्मिक नवीनीकरण के इस समय में ईश्वर के प्रत्येक बच्चे को उन लोगों के प्रति संवेदनशील बनने के लिए आमंत्रित करता है जो वंचित है। आइए हम अपने भाईयों और बहनों के लिए जीवन और स्थायी आजीविका के विकल्पों को बनाए रखने के लिए काम करें।

विश्वासियों की प्रार्थना

अनुश्ठानकर्ता – हमारा प्रभु मसीह दुनिया की ज्योति के रुप में हमारे बीच आया, ताकि हम उसके प्रकाश में चले न कि मृत्यु के अंधकार में। आइए हम उसकी प्रशंसा करें और उसके सामने हमारी प्राथना चढ़ायें।

जवाब : हे ईश्वर हमें प्रकाश बनने में मदद कर !

1. संत पिता, सभी विशप और सभी धर्म संघी लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे निरंतर ईश्वर की आत्मा द्वारा सहायता पायें और

दुनिया के लोगों के लिए ज्योति बन पायें। वे कलीसिया के हर सदस्य को ख्रीस्तीय जीवन जीने और जीवन की पवित्रता के लिए नई जोश और उमंग देते रहे। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करें।

जवाब : हे ईश्वर हमें प्रकाश बनने में मदद कर!

2. सभी राजनीतिक नेताओं और प्राधिकरण के सभी लोगों के लिए प्रार्थना करे कि वे देश में बेरोजगारों और हाशिये के लिए प्रकाश बन जाए और नागरिकों को अकेला और हाशिये पर डालने वाली दीवार को तोड़ सकें। इसके लिए हम प्रार्थना करे।

जवाब : हे ईश्वर हमें प्रकाश बनने में मदद कर!

3. हम उन सभी के लिए आपका आर्शीवाद मांगते हैं जिन्होने अपना घर, अपनी आजीविका, अपनी सुरक्षा और अपनी आशा खो दी है। हे ईश्वर हमारी सहायता कीजिए कि हम उदारता से लोगों की सहायता के लिए अपने सर्वोतम क्षमता का प्रयोग कर सकें। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करें।

जवाब : हे ईश्वर हमें प्रकाश बनने में मदद कर!

4. हे पिता हम अपने परिवारों, दोस्तों और दुनिया भर के पीड़ित लोगों के लिए प्रार्थना करते है। हमारी जरुरत के समय में, हम प्रार्थना करते हैं कि हम आपके करीब आयें। हम आपकी प्रर्याप्तता को अनुभव कर सकें और आपकी ज्योति को अंधेरे में देख सकें। इसके लिए हम प्रार्थना करें।

जवाब : हे ईश्वर हमें प्रकाश बनने में मदद कर!

5. हे पिता हम आपको उन लोगों के लिए बोलने का साहस देने के लिए धन्यवाद करते हैं जो खुद बोल नहीं सकते। आपके प्यार के माध्यम से गरीबों और जरुरतमंदों को देखने और समझने और आपकी करुणा और प्रेम दिखाने में हमारी मदद करें।

जवाब : हे ईश्वर हमें प्रकाश बनने में मदद कर!

अनुश्ठानकर्ता – हे दयालु पिता हमें आपकी समानता में बढ़ने में मदद कर, मानव जीवन की सुन्दरता में, सृष्टि के वैभव में आपके कार्यों को देखने के लिए हमारी आँखे खोल दे। हमें आम भलाई करने के लिए विश्वासयोग्य बनना सिखाइए ताकि आपकी ज्योति पूरे मानवीय परिवार पर कलीसिया के माध्यम ये फैले। हम यह प्रार्थना करते हैं हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा। आमेन!

(सौजन्यः फादर जॉन एंथोनी फर्नांडीस, कार्यकारी निदेशक, UKSVK)

उपवास, अर्थात, दूसरों और सृष्टि के सभी लोगों के प्रति हमारे दृष्टिकोण को बदलना सीखना, हमारी व्यर्थता को संतुष्ट करने के लिए सब कुछ "भक्षण" से दूर हो जाना और प्यार के लिए पीड़ित होने के लिए तैयार होना, जो हमारे दिलों के खालीपन को भर सकता है।

प्रार्थना, जो हमें मूर्तिपूजा और हमारे अहंकार की आत्मनिर्भरता को त्यागना और प्रभु और उसकी दया की हमारी आवश्यकता को स्वीकार करना सिखाती है।

दान, जिससे हम भ्रम में खुद के लिए सब कुछ जमा करने के पागलपन से बच जाते है कि हम एक भविष्य को सुरक्षित कर सकते है।

आइए हम अपने स्वार्थ और आत्म–अवशोषण को पीछे छोड. दें और यीशु के पास जाएं। आइए हम अपने भाइयों और बहनों की ज़रुरत के मुताबिक खड़े हों, हमारे आध्यात्मिक और भौतिक वस्तुओं को उनके साथ साझा करें।

संत पिता फ्रांसिस
का चालीसा संदेश 2019

Caritas® INDIA
The Joy of Service...

Campaign Against Hunger & Disease | 2020

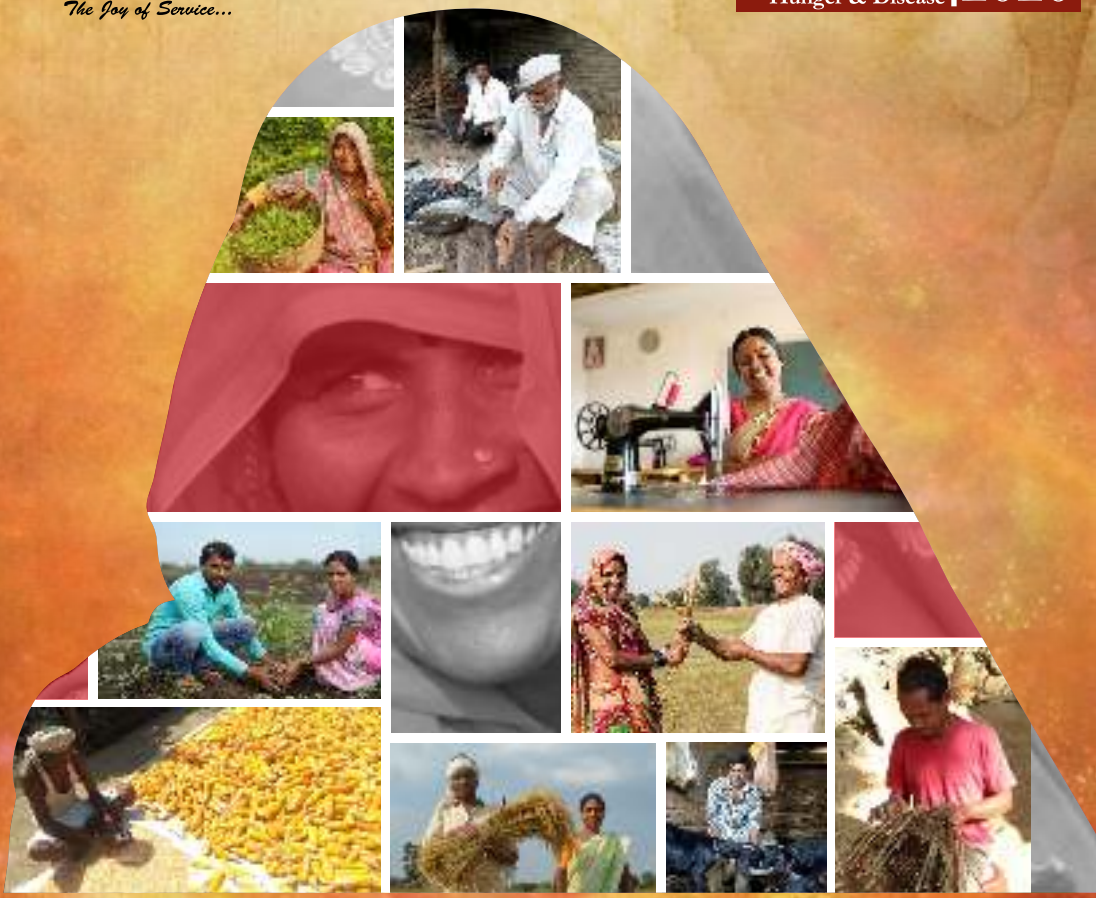

Sustain | Sustainable
Life | Livelihood
समृद्ध जीवनः सतत आजीविका

करीतास इण्डिया अपने वार्षिक चालीसा कालीन अभियान के तहत "**समृद्ध जीवनः सतत आजीविका**" के विषयवस्तु पर सभी को साथ आने के लिए आमंत्रित करती है कि वे एक उत्प्रेरक के रुप में प्रत्येक जन एक जन की मदद के दृष्टिकोण से लोगों तक अपनी पहुँच बनाकर" "**सतत आजीविका**" के लिए परिवर्तन का एक जरिया बने।

इस चालीसा काल में आइए हम संकल्प करें कि जीवन की निरंतरता के लिए आर्थिक और गैर आर्थिक रुप से अपना योगदान दें। इसका मतलब यह नहीं कि हम गरीबी उन्मूलन के लिए काम करें बल्कि लोगों में क्षमता वृध्दि करें जिससे कि वे जीवन में आने वाले बाधाओं / रुकावटों का सामना कर सकें। इसका मतलब यह भी है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग स्थायी दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर जीवन व्यतीत करना शुरु करें जिससे कि कार्बन उर्त्सजन को कम कर सकें। इसके लिए हम पर्यावरण के अनुकूल यात्रा के तरीके, बेकार के उत्पाद का पुनःचक्रित और समुदाय को सक्षम बनाने की पहल को बढ़ावा दे सकते हैं।